उच्च शिक्षा में नवाचार : स्वयं पोर्टल

डाण् जितेन्द्र कुमार सिंह
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, षिक्षा विभाग
हिन्दू कॉलेज, मुरादाबाद

सूचना व संचार तकनीकी ने व्यापक परिप्रेक्ष्य में आज मानव जीवन के सभी पक्षों को सार्थक रूप से प्रभावित किया है। शिक्षा का क्षेत्र भी सूचना वं संचार तकनीकी की आधुनिकतम तकनीकों के प्रयोग से अछूता नहीं है। नवीन जनसंचार माध्यमों व तकनीकों ने ज्ञान प्राप्ति तथा कौशल विकास का एक नया व विराट द्वार खोल दिया है और शैक्षिक कार्यक्रमों व क्रियाकलापों के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन लाकर शिक्षार्थियों के शैक्षिक रूझान ही बदल दिये हैं। अब शिक्षक केन्द्रित दृढ़ शैक्षिक परिवेश के स्थान पर छात्र केन्द्रित, लचीले शैक्षिक परिवेश पर बल दिया जाने लगा है, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षण के स्थान पर सीखने की प्रक्रिया प्रोत्साहित करने पर सभी का ध्यान केन्द्रित हुआ है।

शिक्षा के क्षेत्र में आज सूचना एवं संचार तकनीकी निम्नांकित साधनों का बहुतायत से उपयोग किया जा रहा है। जैसे– संगणक, मल्टीमीडिया, वर्ल्डबाइडवेव, टैक्स्ट एवं ग्राफिक्स, इण्टरनेट/ब्राडबैण्ड, सर्च इंजन, हाइपर टैक्स्ट, ऑन लाइन एक्जाम, उपग्रह संचार, रडार, माइक्रोप्रोसेसर, वीडियो कान्फ्रेसिंग, ई–लर्निंग, ई–पाठ्यक्रम, ई–पुस्तकालय, ई–जर्नल्स, ई–मेल, ई–शिक्षा वार्ता, ई–कॉमर्स, डीटीएच, ई–पब, स्वयं पोर्टल आदि हैं।

स्वयं (SWAYAM) पोर्टल भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) और अखिल भारतीय तकनीको शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा Microsoft की मदद से तैयार किया गया एक Online Education Portal है जो कुल 200 पाठ्यक्रम की मेजवानी करने में सक्षम है (9वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक के सभी छात्र स्वयं जाकर अपने किसी भी विषय से जुड़ी वीडियों देख सकते हैं।

"स्वयं" Online Education Portal की घोषणा 1 फरवरी, 2017 को पेश आम बजट में भारत सरकार द्वारा की गई थी. जिसको 9 जुलाई, 2017 को तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने Launch किया। स्वय पोर्टल पर रजिस्टर कर कोई भी व्यक्ति विभिन्न विषयों पर निशुल्क ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। इतना ही नहीं ऑनलाइन लिए गए इस ज्ञान को महाविद्यालीय स्तर पर भी मान्यता रहेगी। स्वयं पर किए गए कोर्स के अंक विद्यार्थी की अंकसूची में भी जुड़ेंगे। ऑनलाइन शिक्षा के बीच तालमेल बिठाने के उद्देश्य से यूजीसी द्वारा एमओओसी शुरू किया जा रहा है। जिससे सबको लाभ मिले। यूजीसी का दावा है कि स्वयं पोर्टल में एनसीईआरटी, एनआईओएस, इग्नू, यूजीसी, सीईसी, एनपीटीईलएल आदि द्वारा संचालित दो हजार से ज्यादा कोर्स उपलब्ध रहेंगे। ये कोर्स या तो विभिन्न विषयों के समूह होंगे या फिर एक टॉपिक भी हो सकते हैं। इन्हें शिक्षाविदों व अन्य एक्सपर्ट द्वारा स्वयं पर अपलोड किया जाएगा। थ्योरी संग वीडियो व ऑडियो भी अटैच होंगे। ताकि स्टूडेंट को टॉपिक समझने में आसानी हो। कोर्स की पूरी जानकारी यहां उपलब्ध होगी। यूजीसी ने सिर्फ उन्हीं संस्थान व व्यक्ति को कोर्स अपलोड करने निर्देशित किया है। जिनके पास लैपटॉप, कम्प्यूटर व इंटरनेट की सुविधा हो। ताकि आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थी उनसे ऑनलाइन मार्गदर्शन ले सकें। वहीं विद्यार्थी उनके संस्थान में आकर भी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। वहीं किसी

भी स्टूडेंट्स के सवालो को हल करने के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। जिससे किसी भी प्रकार से कोई दिक्कत न हो सके और आसानी से इसे समझा जा सके।

स्वयं पोर्टल को शिक्षा नीति के तीन आधारभूत सिद्धातों – पहुँच (Access), निष्पक्षता (Equity) तथा गुणवता (Quality) को प्राप्त करने के उद्देष्य से बनाया गया है.

स्वयं पोर्टल के बारे में कुछ विशेष बातें

1. स्वयं एक ऑनलाईन लर्निंग पोर्टल है. जो विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क है. इसलिए स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध कोर्स भी निःशुल्क है.
2. इस पर 9वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर (च्वेज ळतंकनंजपवद) तक के कोर्स उपलब्ध है.
3. जो छात्र प्रमाणपत्र (ब्मतजपपिबंजम) लेना चाहेंगे. उन्हें कुछ फीस लेकर कोर्स को सफलतापूर्वक उतीर्ण करने के बाद प्रमाणपत्र दिया जाएगा.
4. स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध पाठयक्रम के 4 भाग हैं दृ विडियों व्याख्यान (टपकमव स्मबजनतमे), खास तौर से तैयार की गई अध्ययन सामग्री ̈(जनकल डंजमतपंस) जो डाउनलोड और मुद्रित (च्तपदज) की जा सकती है, परीक्षा तथा प्रशनोतरी के माध्यम से स्वमूल्याकंन परीक्षा तथा अंतिम शंकाओं के समाधान के लिए ऑनलाईन विचार–विमर्श (व्दसपदम क्पेबनेपवद).
5. स्वयं पोर्टल पर म्दहपदममतपदहए ̀बपमदबमए भ्नउंदपजपमेए संदहनंहमए ब्वउउमतबमए डंदंहमउमदजए स्पइतंतलए म्कनबंजपवद आदि विषयों के कोर्स उपलब्ध है.

स्वयं पोर्टल का उपयोग कैसे करें?

1. स्वयं पोर्टल का उपयोग करने के लिए आपको पोर्टल की वींपिबपंस ̆मइेपजम पर जाना होगा. स्वयं पोर्टल की वींपिबपंस ̆मइेपजम ूूूण्ेूंलंउ.हवअ.पद है।
2. आप चाहे तो अपने ।दकतवपक चीवदम में इसका ।चच क्वूदसवंक करकर भी पोर्टल का इस्तेमाल कर सकते है
3. स्वयं पोर्टल पर कोर्स को पढने के लिए आपको त्महपेजमत करना पडेगा. जिसके लिए आपको एक त्महपेजतंजपवद थ्वतउ में मांगी गई आवश्यक जानकारी को सही–सही भरना है. रजिस्टर करने के बाद आप कभी भी स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध कोर्स को पढ सकते है.

स्वयं योजना के उद्देश्य (Swayam Scheme – Objective)

1. इस योजना का मुख्य उद्देष्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों और पिछड़े समाज के वर्गों के छात्रों को अच्छी षिक्षा प्रदान करना है, स्वयं की मदद से ये छात्र बिना किसी खर्चे के डर से अच्छी षिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
2. अभी भी ऐसे छात्र हैं जो कि डिजिटल क्रान्ति से जड़ नहीं पायें हैं, ऐसे में इस योजना के आने से ये छात्र कम्प्यूटर और नेट जैसी सुविधा से जुड़ सकेगें।
3. स्वयं की मदद से देश के दूरदराज के हिस्सों में रह रहे छात्रों की उनकी पढाई में मदद की जा सकेगी, जिन छात्रों के पास षिक्षा हासिल करने के लिये अच्छे साधन माजूद नहीं हैं, उनके लिये स्वयं योजना काफी लाभदायक साबित होगी।
4. स्वयं का सबसे बड़ा मकसद देष के हर छात्र को देष के अच्छे षिक्षकों द्वारा षिक्षा प्रदान करवाना है, छात्र चाहे देष के किसी भी कोने में क्यों न हो, उसकों इस योजना के जरिये अच्छी षिक्षा मुफ्त में दी सकती है।

स्वयं योजना के तहत दी जाने वाली सुविधा

1. वीडियो व्याख्यानः– आपको स्वयं की वेबसाइट पर कई विषयों से जुड़े हुए व्याख्यान मिलेगें, अगर आपको किसी विषय में कुछ समझ नहीं आ रहा है, तो आप इन व्याख्यान की मदद से अपने संदेह को दूर कर सकते है।
2. डाउनलोड का भी है ऑप्षनः– वीडियो व्याख्यान में अलावा आपको स्वयं की वेबसाइट पर अध्ययन सामग्री भी मिलेगी, जिसको आप डाउनलोड कर सकते है और जब चाहें पढ़ सकते हैं ये अध्ययन सामग्री देष के सर्वश्रेष्ठ षिक्षकों द्वारा तैयार की गई है।
3. आत्म–मूल्यांकन परीक्षणः– व्याख्यान और अध्ययन सामग्री को अच्छे से देखने और पढ़नें के बाद आप को एक आत्म मूल्यांकन टेस्ट देना होगा, ऑनलाइन दिए गये इस टेस्ट के जरिये आपको पता चल जायेगा कि आपको क्या–क्या समझ में आ गया है और क्या नहीं।
4. ऑनलाइन पूछ सकेगें अपने सवालः– अगर आपको कुछ समझ नहीं आ रहा है या किसी चीज को लेकर आपके मन में कोई संदेह है, तो आप ऑनलाइन इसकी चर्चा षिक्षकों से कर सकते हैं।
5. इस योजना के तहत सम्बन्धित मंत्रालय और केन्द्रीय सरकार ने छात्रों को मुफ्त में कोर्सेज प्रदान करने के लिये मुफ्त वेब पोर्टल की शुरूआत की है, इस विषाल ओपन ऑनलाइन कोर्सेज का विकास कई विषयों को कवर करने के उद्देष्य से किया गया है।
6. इस मुफ्त वेब पोर्टल को कम से कम 500 अलग–अलग कोर्सेज का ऑफर दे रहा है, इस योजना को और विषाल बनाने के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय बहुत जल्द एक नये वेब पोर्टल को शुरू करने की भी योजना बना रहा है।
7. इस योजना की खास बात यह है कि आपको स्कूल, कॉलेज एवं विष्वविद्यालयों की कक्षाओं में कवर किये गये लेसन से संतुटि ना हो या आपको अतिरिक्त सहायता की आवष्यकता हो, तो आप इस ऑनलाइन पोर्टल में रजिस्टर हो सकते है, छात्रों के लिये इसके तहत किसी भी विषय या कोर्सेज के लिये आवेदन करना संभव है।
8. यदि किसी विद्यार्थी को उसके किसी विषय में परेषानी हो तो वे तुरन्त ही इसमें रजिस्टर कर उसी विषय या कोर्स के लिये तत्काल सहायता प्राप्त कर सकते हैं, इस वेबपोर्टल को अकेदमिक स्तर पर अतिरिक्त सहायता के रूप में माना जा सकता है।
9. स्वयं पोर्टल, एमएचआरडी और एआईसीटीई द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें माइक्रोसॉफट की मदद से 2000 कोर्सेज और विभिन्न स्टीम में 80000 घन्टे सीखने की सुविधा प्रदान की गई है, इसमें इंजीनियरिंग, कानून, पोस्ट–ग्रेजुएट एवं अंडर ग्रेजुएट कोर्सेज और कुछ पेषेवर कोर्सेज शामिल है।
10. यह योजना आईटी प्लेटफार्म के माध्यम से लागू की गई है, जिसमें सभी कोर्सेज ऑनलाइन प्रदान किये जायेगें और साथ ही इसे 9वीं कक्षा से पोस्ट ग्रेजुएट तक की कक्षाओं तक किसी भी समय और कहीं भी पहुचांया जा सकता है।
11. यह एक डिजिटल तकनीक है जोकि कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो पाने वाले छात्रों को अच्छे षिक्षकों द्वारा सीखने के लिये षिक्षकों द्वारा सीखने के लिये सक्षम बनाती है, ऑनलाइन कोर्सेज एक इंटरैक्टिव लर्निंग अनुभव भी प्रदान करते हैं, जिसके माध्यम से देष के दूरस्थ हिस्सों में भी छात्र षिक्षकों द्वारा लाभ उठा सकते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि उच्च शिक्षा में स्वयं पोर्टल वर्तमान में आधाररूप में स्थान पा चुका है, चाहे वह अध्यापकों के लिए हो या अध्ययनकर्ता दोनों के लिए इसकी प्रौद्योगिकी उपयोगिता समान है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. सिंह, डॉ0 रघुनाथ एवं यादव, रामवली : वैश्वीकरण एवं उच्च शिक्षा की सम्भावनायें, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
2. गुप्ता, डॉ0 एस0 पी0 : सूचना प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा एक विमर्श, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

3. कल्ला, डॉ0 पी0 एन0 एंव गक्कड, डॉ अर्चना : प्रसार शिक्षा के नये आयाम, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ एकाडेमी, जयपुर, राजस्थान।
4. शर्मा, डॉ0 आर0 ए0 : दूरस्थ शिक्षा, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ।
5. कुलश्रेष्ठ, डॉ0 एस0 पी0 : शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
6. श्रीवास्तव, शंकरशरण, शिक्षा में नवाचार एवं आधुनिक प्रवृत्तियाँ, भार्गव पब्लिकेशन हाउस, आगरा।